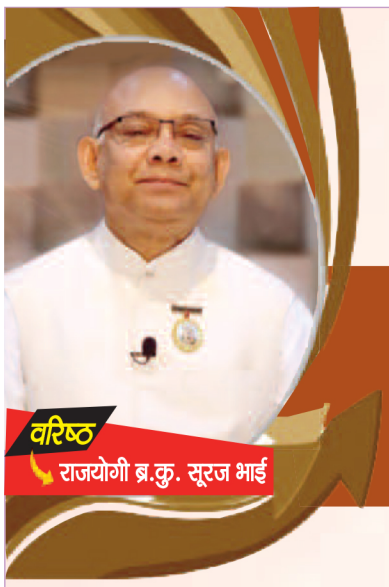

वरिष्ठ
राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

परचिंतन की बजाय करें...स्वचिंतन

हमारे व्यर्थ संकल्प हमें बहुत अच्छी-अच्छी बातें तो भुला ही देते हैं। जो व्यर्थ संकल्पों में रहते हैं उनका ज्ञान का चिंतन भी हो नहीं पाता क्योंकि उनकी सारी मन की शक्तियां व्यर्थ चिंतन में बह जाती हैं। बुद्धि का एक एटीट्यूड बुद्धि की जो टेंडेन्सी है जिसमें सद्विवेक भरा है वो ज़रा लोप हो जाता है। इसलिए व्यर्थ संकल्पों को हर फील्ड में अपना शत्रु मानते हुए इन पर हमें अंकुश अवश्य लगाना है। आप सब जानते हैं स्टूडेंट्स अगर व्यर्थ में रहते हैं तो टीचर क्या पढ़ा रहा है, लेक्चरर क्या सुना रहा है तो उनकी समझ में नहीं आएगा, सुनते हुए भी जैसे अंदर कुछ जा ही नहीं रहा है। यदि आप बिज़नेसमैन हैं, आप व्यर्थ में रहते हैं, आपके चारों ओर एक निगेटिव एनर्जी फैलती रहती है तो इसका प्रभाव आपकी ग्रहस्थी पर व आपके बिज़नेस पर अवश्य पड़ेगा।

एक माँ भोजन बना रही है। उसके मन में व्यर्थ संकल्प बहुत चल रहे हैं, तूफान उठ रहा है तो उसका भोजन न तो टेस्टी बनेगा, न उसमें प्यार भर पायेंगी, न अच्छे वायब्रेशन भर पायेंगी तो हर मार्ग के लिए व्यर्थ संकल्प बहुत बुरी चीज़ है। शिव बाबा ने हमें स्वदर्शन चक्रधारी बनाया है। बहुत बड़ा शब्द है यह। शास्त्रों में केवल श्रीकृष्ण को सुदर्शन-सुदर्शन कह दिया है। शिव बाबा ने हमें कहा स्वदर्शन चक्रधारी ऐसा दिखाया है हम अपना दर्शन करते हैं इस पूरे चक्र में, इस सृष्टि चक्र में हम क्या-क्या थे यह दर्शन हमें होने लगता है, इसको स्वदर्शन चक्रधारी होना कहते हैं। लेकिन कई लोग परदर्शन चक्र घुमाते रहते हैं, दूसरों का ही चिंतन करते रहते हैं इसको कहते हैं परचिंतन। देखते भी दूसरों को हैं तो अपने को देखना भूल जाते हैं। सोचते भी दूसरों के बारे में हैं तो अपने बारे में सोचना भूल जाते हैं। हमें संकल्प करना है, सुंदर संकल्प करें कि जन्म-जन्म हम दूसरों को देखते आए अब अपने को देखने का तीसरा नेत्र स्वयं भगवान ने हमें दिया है। क्यों न हम अपने को देखें, अपने को ही चेंज करें! दूसरे चेंज हों यह इंतज़ार हम क्यों करें! पहले हम करेंगे तो हमें बहुत कुछ प्राप्त हो जाएगा। परचिंतन तो हम युगों से करते हैं। लेकिन अब समय है अपना चिंतन करने का। मुझे अपनी उन्नति कैसे करनी है? मुझे भगवान की सभी आज्ञा का पालन कैसे-कैसे करना है? अब मैं ईश्वरीय पथ पर आ गया हूँ, भगवान की संतान बन गई हूँ, अब मुझे उसका शो करना है अपने चरित्र से, अपने जीवन से। हमारे सुंदर विचार हमारी पर्सनैलिटी को बहुत सुंदर बनाते हैं। हमारे सुंदर विचार समाज में हमारी पहचान बनाते हैं। हमारे सुंदर विचारों के वायब्रेशन सारे संसार में फैलते हैं।

हमारे सुंदर विचार हमारी पर्सनैलिटी को बहुत सुंदर बनाते हैं। हमारे सुंदर विचार समाज में हमारी पहचान बनाते हैं। हमारे सुंदर विचारों के वायब्रेशन सारे संसार में फैलते हैं।
हम अपने पर गहरी दृष्टि डालें। हमारा समय दूसरों को देखने में दूसरों का चिंतन करने में तो नहीं जा रहा है?

हम अपने पर गहरी दृष्टि डालें। हमारा समय दूसरों को देखने में दूसरों का चिंतन करने में तो नहीं जा रहा है? कई मनुष्य तो सुंदर स्थानों पर भी आते-जाते हैं ना तो वहाँ भी न जाने क्या-क्या सोचते हैं! क्या-क्या देखते हैं! जिस लक्ष्य से वहाँ जाते हैं उसे तो भूल ही जाते हैं। कौन क्या कर रहा है एक इच्छा बनी रहती है जानने की और जो दूसरों के बारे में जानने की उत्कंठा में लगा हुआ है वो अपने को कभी नहीं जान सकता। वो अपनी शक्तियों को भी नहीं पहचान सकता। परचिंतन करने वाले का चित्त शांत होता ही नहीं, यह तो बिल्कुल क्लीयर बात है। दिखाई देगा गलती वह कर रहे हैं और नुकसान हम उठा रहे हैं। वो गलती करके भी खुश हैं और हम उन्हें देख-देख के परेशान हो रहे हैं। सम्भालें अपने को।

अब भगवान हमारे पास आ गए हैं, उन्होंने हमें सत्य ज्ञान दे दिया है,अभी हम ये गलती नहीं करेंगे। अभी परम सुख प्राप्त करने का समय है। परदर्शन में अपना अनमोल समय व्यतीत करके इस स्वर्णिम अवसर को अपने हाथ से जाने नहीं दें। हमारी यात्रा अलग है, हमारी मंज़िल अलग है, हमारा लक्ष्य अलग है इस चिंतन को बढ़ायें। जैसा दूसरे कर रहे हैं अगर हम भी वैसा ही करें तो हममें और उनमें अंतर ही क्या रह जायेगा! क्योंकि दूसरों को देखने से, परचिंतन करने से हमारी वृत्ति खराब हो जायेगी, दृष्टिकोण बिल्कुल बिगड़ जायेगा। जो गुड फीलिंग हैं, ग्रेट फीलिंग हैं वो दबकर नष्ट हो जायेंगी। तो इसलिए परचिंतन के बजाय हम स्व चिंतन की गहराई में चलें, अपने स्वमानों को बढ़ाएं। देखना है तो अपने को देखें। कितना सुंदर अवसर मिला है ये देखने का भगवान को कि वो कैसे अपना दिव्य कार्य कर रहा है! अनेक फिलॉसफी में चर्चाएं हैं-भगवान ने दिव्य कार्य ऐसे किये, ऐसे किये। हम तो उसे देख रहे हैं। इन चीज़ों में मग्न हों व्यर्थ समाप्त हो जाएगा।

करेली-म.प्र.। श्री राम मंदिर करेली में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के समापन अवसर पर कथा वाचक पंडित आनंद कृष्ण शास्त्री,देव भूमि वृंदावन से ब्र.कु. अंजना बहन, ब्र.कु. विनीता बहन, ब्र.कु. शिवानी बहन व अन्य भाई-बहनों ने मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट की। साथ ही इस अवसर पर नवयुवक बानर सेना, सकल सनातन हिन्दू समाज, आरएसएस, बजरंग दल एवं महिला मंडल द्वारा विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से ब्रह्माकुमारीज़ ने भी राम दरबार की मनमोहक झाँकी के साथ उपस्थिति दी। इस मौके पर राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी सहित अन्य वरिष्ठ जनों द्वारा राम दरबार की आरती कर शोभायात्रा का समापन किया गया।

इंदौर-न्यू पलासिया(म.प्र.)। ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् मनिंदर सिंह,कमांडेंट,सीआईएसएफ इंदौर अहिल्या बाई एयरपोर्ट के साथ समूह चित्र में ब्र.कु. नारायण भाई, ब्र.कु. प्रमिला बहन व ब्र.कु. ज्योति बहन।

नई दिल्ली। बीजेपी नेशनल प्रेसिडेंट जे.पी. नड्डा की धर्मपत्नी श्रीमति मल्लिका नड्डा से मिलकर उनका अभिवादन करते हुए डॉ. ब्र.कु. मोनिका बहन। साथ हैं प्रो. डॉ. परीन सोमानी,स्किल डेवलपमेंट डायरेक्टर,लंडन।

मुम्बई-घाटकोपर। सौमय्या विद्याविहार यूनिवर्सिटीज़-वुमेन्स सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के योग भवन को आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराने के लिए आमंत्रित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. डॉ. परेशा। मंचासीन हैं प्रोफेशनल योगा एक्सपर्ट ब्र.कु. जागृति बहन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं पूर्व बार्क साइंटिस्ट ब्र.कु. प्रमिला बहन तथा यूनिवर्सिटी की प्रिंसिपल श्रीमति मखिजानी।

जबलपुर-कटंगा कॉलोनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में सिन्धी नव वर्ष चैत्री चण्ड् के अवसर पर आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए विधायक अशोक रोहाणी, भारतीय सिन्धु समाज के राजकुमार कंधार, लाडकाना बिरादरी के नारायण दास बुधरानी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विमला बहन तथा अन्य।

जैतवारा-म.प्र.। ब्र.कु. मीना बहन के प्रभु समर्पण के 18वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में सुरेश नामदेव, विजय पाण्डेय, डॉ. कुशवाहा सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

लश्कर-ग्वालियर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ग्वालियर के पदाधिकारियों के लिए आयोजित स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ग्वालियर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदीप नारायण अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोशन गाबरा, आशीष अग्रवाल, अभिषेक गोयल, अंकुर अग्रवाल तथा व्यापार जगत से जुड़े अन्य लोगों सहित सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. प्रहलाद भाई व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

बिलासपुर-राजकिशोर नगर(छ.ग.)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के शिव अनुराग भवन में मेडिकल विंग के संयुक्त तत्वाधान में 'सभी के लिए स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. गायत्री बहन ने सभी को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाई-बहनें मौजूद रहे।